हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 142 देहरादून, सोमवार 27 नवंबर, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

उत्तराखंड पहुंचे राजनाथ सिंह शादी में करेंगे शिरकत 3

सिल्कयारा टनल : मजदूरों को निकालने का अब ये है प्लान, इंडियन आर्मी के पास ड्रिलिंग की कमान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी के सिल्कयारा टनल में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए इंतजार और बढ़ता जा रहा है। इस बीच मद्रास सैपर्स, भारतीय आर्मी के इंजीनियरों की एक टुकड़ी को बचाव कार्य के लिए बुलाया गया है। यह टीम उस साइट पर मैनुअल ड्रिलिंग को अंजाम देगी जहां पिछले 15 दिनों से 41 मजदूर फंसे हुए हैं। इंडियन आर्मी की इंजीनियर रेजिमेंट के 30 जवान सिल्कयारा टनल के पास बचाव कार्य के लिए पहुंच गए हैं। मैनुअल ड्रिलिंग के लिए इंडियन आर्मी और लोग टनल के अंदर रैट बोरिंग करेंगे। एक अधिकारी ने कहा, मैनुअल ड्रिलिंग के लिए इंडियन आर्मी लोगों के साथ मिलकर टनल के अंदर पड़े मलबे को खोद कर बाहर निकालेगी। इसमें हाथ, हथियार और छेनी जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके बाद पाइप के टनल में बने प्लेटफॉर्म के जरिए उसे अंदर डाला जाएगा।'

अधिकारी ने बताया कि टनल के अंदर फंसे 41 मजदूर अभी महफूज हैं। इससे पहले आज पाइपलाइन के अंदर फंसी मशीन को काटने के लिए प्लाज्मा कटर साइट पर पहुंचा। अधिकारी ने यह भी बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी टीम ने तय किया है कि थोड़ी दूरी पर खोद कर पाइपलाइन को मैनुअल ड्रिलिंग के जरिए अंदर भेजा जाएगा। यहां तक कि अगर इस दौरान कोई समस्या आती है तो इसे समस्या को मैनुअली ठीक किया जाएगा और फिर पाइपलाइन को कुछ दूरी तक भेजा जाएगा। इधर बचाव कार्य में जुटे स्छ्ङ्क्ह ने बताया कि करीब 20 मीटर तक वर्टिकल ड्रिलिंग का किया जा चुका है। कुल 86 मीटर तक वर्टिकल ड्रिलिंग का काम होना है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने रविवार को कहा कि उत्तरकाशी में सिलक्यारा सुरंग में ऑगर मशीन के टूटे हुए

हिस्सों को निकालने और हाथों से खुदाई शुरू करने के लिए काम जारी है, जबकि पिछले 14 दिनों से सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए लम्बवत ड्रिलिंग भी शुरू हो गई है। एनडीएमए के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि सुरग में फंसे श्रमिकों को बचाने के लिए सभी प्रयास जारी हैं। हसनैन ने कहा कि दूसरा सबसे अच्छा विकल्प माने जाने वाली लम्बवत ड्रिलिंग का काम चल रहा है।

ड्रोन कैमरे का इस्तेमालः उत्तरकाशी सिल्कयारा टनल में चल रहे बचाव कार्यों पर नजर रखने के लिए ड्रोन कैमरे का इस्तेमाल किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह रविवार को सिल्कयारा टनल पहुंचे थे यहां उन्होंने बचाव कार्यों का जायजा भी लिया। 12 नवंबर को जब टनल का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर गिर गया तब सिल्कयारा टनल में 41 मजदूर फंस गए थे।

फंसे मजदूरों को निकालने का है 4 प्लानः अधिकारियों ने रविवार को बताया कि फंसे मजदूरों को सुरंग से बाहर निकालने की पहली योजना में ऑगर मशीन के फंसे हिस्से को काटकर निकाला जाएगा जिसके बाद मजदूर छोटे उपकरणों के जरिए हाथों से खुदाई कर मलबा निकालेंगे। उन्होंने बताया कि दूसरी योजना में सुरंग के ऊपरी क्षेत्र में 82 मीटर की लंबवत खुदाई की जाएगी और इसके लिए मशीन का प्लेटफॉर्म तैयार कर लिया गया है तथा मशीन के एक हिस्से को वहां पहुंचा भी दिया गया है।

उनके मुताबिक, इस योजना पर रविवार को काम शुरू हो सकता है। अधिकारियों ने बताया कि तीसरी योजना के तहत सुरंग के बडक़ोट छोर की ओर से खुदाई का काम युद्धस्तर पर चल रहा है और यह करीब 500 मीटर का हिस्सा है और इस अभियान में भी 12 से 13 दिन लगने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि चौथी योजना में सुरंग के दोनों किनारों पर समानांतर (क्षैतिज) ड्रिलिंग की जाएगी और इसका सर्वेक्षण हो चुका है तथा रविवार को इस योजना पर भी काम शुरू किया जा सकता है।

उत्तराखंड के 11 जिलों में बारिश की चेतावनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 26 नवंबर : उत्तराखंड में मौसम फिर बदलाव की ओर है। आप भी कड़ाके की ठंड के स्वागत के लिए तैयार हो जाइए।मौसम विभाग के अनुसार 27 नवंबर को बारिश होने के साथ तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की जाएगी। जिसके चलते पर्वतीय व मैदानी इलाकों में अचानक ठंड बढ़ेगी। अगले हफ्ते से प्रदेशभर में मौसम बदलेगा। मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि 27 नवंबर को हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर को छोड़ सभी जिलों में बारिश हो सकती है। इसे देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

तापमान में गिरावट आने से ठंड अचानक बढ़ेगी। 27 नवंबर के बाद तापमान में तेजी से गिरावट आएगी। जिसका असर पर्वतीय व मैदानी इलाकों में ठंड में बढ़ोतरी के रूप में देखने को मिलेगा। 27 नवंबर को जिन जिलों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उनमें उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी, देहरादून, पौड़ी, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत और नैनीताल जैसे जिले शामिल हैं।

केंद्र ने चेतावनी दी है कि इन जिलों में कहीं-कहीं ओलावृष्टि व बिजली भी गिर सकती है। ऐसे

में पशुओं को खुले स्थानों पर न बांधें। इन दिनों मौसम में परिवर्तन के साथ दिन-रात के तापमान में भी अंतर दर्ज किया जा रहा है। दिन में धूप खिल रही है, जबकि सुबह और शाम ठंड का असर बरकरार है। इससे बच्चों व बुजुर्गों का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। अस्पतालों में मरीजों की भीड़ लगी है। बदलते मौसम में आप भी स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें।

हरिद्वार में आज होगा कार्तिक पूर्णिमा स्नान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार। सोमवार को हरिद्वार में होने जा रहे कार्तिक पूर्णिमा स्नान को सकुशल संपन्न कराए जाने को लेकर एसएसपी हरिद्वार प्रमेन्द्र डोबाल ने अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में पुलिस बल को ब्रीफ करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। ब्रीफिंग के दौरान कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व का विशेष महत्व एवं लाखों की संख्या में पवित्र हर की पैड़ी पर गंगा स्नान पर आने वाले श्रद्धालुगण की संभावनाओं और व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। स्थानीय अभिसूचना ईकाई के अधिकारी गुप्त रूप से पूरे मेला क्षेत्र में कड़ी नजर रखेंगे। साथ ही प्रत्येक जोन में नियुक्त अन्य अधिकारीगण के साथ मिलकर क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों से समन्वय स्थापित कर किसी भी समस्या पर तत्काल उसका निवारण करेंगे। मेला सकुशल हो इसके लिए पूरे मेला क्षेत्र को 9 जोन 33 सेक्टरों में बंटा गया है. जिसमें सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी नजर रखी जायेगी। मेला ड्यूटी में जिले की पुलिस के अलावा पीएसी की 2 कंपनी सहित जल पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम भी लगाई गई है। साथ ही भारी वाहनों पर स्नान के दौरान शहर में प्रवेश वर्जित रहेगा।

ब्रीफिंग के दौरान दिये गये दिशा निर्देशः विगत स्नानों में देखा गया कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर अचानक से भीड़ बढ़ जाती है। जिससे पहले से ही छोटी बड़ी सभी तैयारी करके रहना है। प्रत्येक जोनल अधिकारी अपने अपने क्षेत्र में वैकल्पिक मार्गों का भीड़ बढने की दशा में उपयोग कर जनसंख्या के दबाव को नियंत्रित करेंगे.प्रत्येक प्वाइंट पर नियुक्त पुलिसकर्मी का अपना विशेष महत्व है।

थोड़ी सी भी लापरवाही से कोई भी समस्या उत्पन्न हो सकती है, इसलिए सभी लोग अपनी अपनी जिम्मेदारियों का दृढ़ता एवं संयम के हाथ निर्वहन करेंगे। मनसा देवी, चंडी देवी में ड्यूटी प्रभारी यह सुनिश्चित करेंगे की श्रद्धालुगण कतार में ही आगे बढ़ें। भीड़ का दबाव बढने पर तत्काल कंट्रोल रूम को जानकारी देने के साथ व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखेंगे। महिला घाट पर नियुक्त महिला कर्मी मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें। इस स्थान पर अधिक भीड़ की संभावनाएं रहती हैं। प्रत्येक महिला एवं उसके परिजन उसी के आसपास रहते हैं। किसी को स्नान के लिए बहुत अधिक समय नहीं दिया जाए।

कड़ाके की ठंड में भी 'गर्म' रहती है भारत की ये जगह, दुनियाभर से आते सैलानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 25 नवंबर : सर्दियों का मौसम शुरू हो चुका है, ऐसे में अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जहां जाकर आपको गर्मी का एहसास हो, तो तैयार कर लीजिए. आज हम आपको ऐसी ही कुछ जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं. वैसे तो मुंबई और दक्षिण के राज्यों में कई जगह ज्यादा ठंड नहीं होती. लेकिन अगर आप दिल्ली, यूपी, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश जैसे इलाकों में रहते हैं तो यह आपके लिए शानदार अवसर है।अगर आप जानना चाहते हैं कि केरल की संस्कृति कैसी है, तो आपको एक बार कोवलम का दौरा जरूर करना चाहिए. यह जनवरी में यात्रा करने के लिए सबसे गर्म स्थानों में से एक है।

कोवलम मुख्य रूप से अपने समुद्र तट के लिए लोकप्रिय है, जिसे देखने के लिए यहां भारी संख्या में पर्यटक आते हैं. यहां आपको वाटर स्पोर्ट्स के भरपूर विकल्प मिलेंगे. आप यहां आयुर्वेदिक स्पा में भी जा सकते है गुजरात का कच्छ- अगर दिसंबर जनवरी में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो एक बार गुजरात के कच्छ जाएं. यहां कई महीनों तक उत्सव चलता है और दुनियाभर से सैलानी घूमने के लिए आते हैं. नवंबर से फरवरी तक यहां टूरिस्ट सीजन रहता है. इस जगह आप ऊंट की सवारी कर सकते हैं और स्वादिष्ट फूड का मजा ले सकते हैं. कड़ाके की ठंड वाले दिसंबर में कच्छ के रण का तापमान 27 से 30 डिग्री तक रहता है कर्नाटक का कुर्ग सर्दियों में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगह है. इसे भारत का स्कॉटलैंड भी कहते हैं. नवंबर से फरवरी तक ठंड के दिनों में यहां का तापमान अन्य इलाकों की तुलना में ज्यादा होता है।

यहां आपको हरी-भरी वादियां, चाय के बागान, कॉफी के पेड़ देखने को मिल जाएंगे. यहां की हरयिाली आपका मन मोह लेगी राजस्थान को गर्म प्रदेश कहा जाता है, लेकिन क्या आपको पता है कि सर्दियों के दिनों में राजस्थान का जैसलमेर घूमने के लिए सर्वश्रेष्ठ जगह में से एक है. क्योंकि यहां का तापमान उस वक्त 12 से 25 डिग्री सेल्सियस तक रहता है. गोल्डन सिटी के नाम से मशहूर जैसलमेर में फेमस झीलें, हवेली, जैन मंदिर आपका मन मोह लेंगे. यहां जाकर आपको लगेगा कि किसी खूबसूरत मेले में आप आ गए हों युवाओं को अगर कहीं घूमने का प्लान बनाना है तो सबसे पहले दिमाग में गोवा का

आइडिया आता है. क्योंकि यह जगह जन्नत से कम नहीं. ठंड के दिनों में भी यहां का तापमान गर्माहट का एहसास कराता है. यहां के समुद्री बीच पर पानी के साथ खेल सकते हैं. लहरों का लुत्फ उठा सकते हैं. यहां का लजीज खाना भी आपको खासा पसंद आएगा.

क्या आप जानते है पानी पीने का सही तरीका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 नवंबर : ये बात तो सब जानते हैं कि पानी पीना शरीर के लिए कितना जरूरी होता है। ये शरीर को सिर्फ हाइड्रेट ही नहीं रखता, बल्कि इसके हमारी फिजिकल हेल्थ पर भी काफी अच्छा असर होता है। लेकिन पानी पीने के भी कुछ नियम हैं, जो सभी को जरूर जानने चाहिए। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट की मानें, तो हर इंसान को पानी बैठकर ही पीना चाहिए। एक्सपर्ट डॉक्टर ने सोशल मीडिया के जरिये लोगों को बताया कि क्यों सभी लोगों को बैठकर ही पानी पीना चाहिए।

उन्होंने लिखा- आयुर्वेदा के अनुसार, सही तरीके से पानी पीना बेहद जरूरी है। अगर इसके फायदे उठाने हैं तो पानी पीने का तरीका जरूर मालूम होना चाहिए। हर किसी को पानी सिर्फ बैठकर ही पीना चाहिए। इसके बाद डॉक्टर ने खड़े होकर पानी ना पीने के कारण भी स्पष्ट किए। खड़े होकर क्यों न पिएं पानी? उन्होंने कहा कि अगर आप खडे होकर पानी पीते हैं तो इसका फोर्स और स्पीड सीधे फूड कनाल से होकर गुजरता है, जो काफी तेज होता है। ये नुकसानदायक होता है क्योंकि सीधे पेट में गिरता है। परिणामस्वरूप शरीर सारे टॉक्सिन्स को सही तरीके से बाहर नहीं निकाल पाता और खाना पचाने की प्रक्रिया पर इसका सीधा असर देखने को मिलता है।

जान लीजिये ये जरूरी बातें इसके बाद डॉक्टर ने खड़े होकर पानी पीने के और भी नुकसान गिनाए। उन्होंने कहा कि खड़े होकर पानी पीने से फेफड़ों को भी नुकसान हो सकता है। इसके साथ ही किडनी से संबंधित समस्याएं भी जन्म ले सकती हैं। इसलिए हर किसी को पानी पीते समय बैठना चाहिए। इसके साथ ही एक ही बारी में पूरी बोतल पानी भी खत्म नहीं करनी चाहिए। सही तरीके से पानी पीना है जरूरी बताते चलें कि पानी पीने के फायदों के साथ इसे सही तरीके से पीना आना भी चाहिए। पानी को गलत तरीके से पीने पर इसके बुरे परिणाम भी हो सकते हैं। कई लोग पानी तो एकदम सही मात्रा में पीते हैं लेकिन सही तरीका ना मालूम हो पाने की वजह से ये शरीर में अन्य दिक्कतें भी पैदा कर सकता है। इसलिए हमेशा किसी भी तरह की परेशानी होने पर अपने डॉक्टर से जरूर संपर्क करें।

दुकान का ताला तोड़ सिर्फ दाहिने पैर के लिए 200 जूते चुरा ले गए चोर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 नवंबर : चोरी की घटना के बारे में आपने खूब सुना होगा. लेकिन शायद ही कभी इस तरह की चोरी के बारे में आपने सुना होगा, जैसा हम बताने जा रहे हैं. दरअसल, मध्य पेरू के हुआ के शहर में तीन चोरों ने एक जूते की दुकान से करीब 200 जूते चुरा लिए. ख़ास बात यह है कि चोरों ने जो जूते चुराए हैं वे सभी जूते दाहिने पैर के थे.

पुलिस के अनुसार, चोरों ने आधी रात को चोरी की घटना को अंजाम दिया. बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, चोरों ने जो 200 स्नीकर्स चुराए हैं उनकी कीमत करीब 13,000 डॉलर रही है. मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चोर अब चोरी किए गए जूतों को बेचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. पुलिस का अनुमान है कि चोर जल्दी में रहे होंगे. उन्हें अपनी गलती के बारे में चोरी करने के कुछ देर बाद पता चला होगा सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद पुलिस ने बताया कि चोरों ने आधी रात को दुकान में लगे ताले तो तोड़ चोरी किया. सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने बताया कि चोर तिपहिया साइकिल से आए थे. चोरी करने के बाद चोर तिपहिया साइकिल के जरिये जूते ले गए।

घटना को लेकर स्थानीय पुलिस प्रमुख एडुआन डियाज ने स्थानीय मीडिया से कहा कि हमने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं. यह चोरी बेहद ही असामान्य है. ऐसा इसलिए क्योंकि चोरों ने केवल दाहिने पैर के जूते चोरी किए गए हैं. ऐसे में हम कई महत्वपूर्ण पहलुओं को ध्यान में रख घटना की जांच कर रहे हैं. डियाज ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और उंगलियों के निशान के आधार पर हम चोरों के बारे में पता लगाने में सक्षम होंगे।

रिलायंस ज्वैलरी शोरूम लूट मामला

लूट कांड का एक और सदस्य गिरफ्तार चोरी की गाड़ियां दिलाने में की थी मदद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। ज्वैलरी शोरूम लूट मामले पर बदमाशों को चोरी के वाहन उपलब्ध कराने वाले गैंग के एक सदस्य अकबर को दून पुलिस ने अमरोहा से गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी अभिषेक से पूछताछ में पुलिस को गैंग के संबंध में जानकारी मिली थी। गैंग के अन्य सदस्यों की धरपकड़ के लिए अन्य प्रदेशों में भी उत्तराखंड पुलिस की दबिशें जारी है। गिरफ्तार आरोपी ने ज्वैलरी शोरूम लूट की घटना को अंजाम देने वाले पांच आरोपियों को दो बाइक और कार उपलब्ध कराई थी।

ज्वैलरी शोरूम लूट मामले में मुख्य आरोपी अभिषेक से पूछताछ में पुलिस को 5 आरोपियों द्वारा घटना के लिए चोरी के वाहन उपलब्ध कराने वाले गैंग के संबंध में जानकारी मिली थी। गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों द्वारा लगातार अन्य प्रदेशों में दबिशें दी जा रही थी। पुलिस ने घटना में शामिल आरोपियों को चोरी के वाहन उपलब्ध कराने वाले एक आरोपी अकबर निवासी अमरोहा को फैयाज नगर जिला अमरोहा से गिरफ्तार किया।

राजस्थान जेल में बिताए 8 महीनेः आरोपी अकबर पहले राजस्थान में टूयम (ज्जहह ड्ड्रूरू) कंपनी में स्टोर कीपर का काम करता था। जहां उसके साथ अलीगढ़ निवासी सुमित भी काम करता था। आरोपी अकबर ने सुमती नाम की लडक़ी के साथ इलाहाबाद हाईकोर्ट में कोर्ट मैरिज की थी। जिसके बाद सुमती की मां ने अकबर के खिलाफ धारा 376 के तहत भिवाड़ी, राजस्थान फेस 3 पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमे की कार्रवाई में अकबर के साथ अकरम निवासी राजस्थान, सुमित निवासी अलीगढ़, मुकेश निवासी राजस्थान सभी 8 महीने किशनगढ़ जेल राजस्थान में बंद रहे थे।

सुजीत ने अकबर को दिया वाहनों का

कॉन्टेक्टः जेल से बाहर आने के बाद आरोपी अकबर की पहचान सुजीत नाम के एक व्यक्ति से हुई। जिसके द्वारा उसे किसी घटना के लिए 2 बाइक और एक कार की व्यवस्था करने को कहा गया। उसके एवज में अच्छी धनराशि मिलने की बात कही गई। अकबर ने ये बात अपने दोस्त सुमित को बताई। इसके बाद अकबर और सुमित ने योजना बनाई। दोनों ने जून 2023 के शुरू में खंदौली इंटरचेंज आगरा से एक व्यक्ति से एक कार लूटी। जिस पर उन्होंने फर्जी नंबर प्लेट लगाकर बिजनौर में छिपा दी। उसके बाद सितंबर 2023 में एक नीले रंग की बाइक आईएमटी मानेसर गेट के पास से और काली रंग की बाइक स्टार मॉल गुडग़ांव से चुराई। दोनों बाइकों पर भी फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई।

तीन अलग-अलग स्थानों पर वाहन किए हैंडओवरः एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि दोनों बाइकों को लेकर अकबर और सुमित राजस्थान चले गये। सुजीत के कहने पर अकबर ने 31 अक्टूबर को नीले रंग की बाइक सहारनपुर में, 6 नवंबर को कार बिजनौर में और 7 नवंबर को काली रंग की बाइक आईएसबीटी देहरादून में सुजित द्वारा बताए गए व्यक्तियों को दी गई। इसके एवज में सुजीत ने अकबर को 27 हजार रुपए नगद दिए थे। जिसमें से पांच हजार रुपए सुमित को दिए गए थे। आरोपी अकबर द्वारा बताया गया कि जिन व्यक्तियों को उसके द्वारा वाहन सौंपे गए, उनमें से एक अभिषेक उर्फ गांधी भी था।

उत्तराखंड : UKPSC की भर्तियों को लेकर बड़ा अपडेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 नवंबर : सहकारिता पर्यवेक्षक एवं पर्यावरण पर्यवेक्षक परीक्षा और अधिशासी अधिकारी, कर व राजस्व निरीक्षक परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले युवाओं के लिए एक जरूरी खबर है। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने इन दोनों भर्तियों को लेकर बड़ा अपडेट जारी किया है। सबसे पहले सहकारिता पर्यवेक्षक एवं पर्यावरण पर्यवेक्षक (समूह 'ग) परीक्षा-2023 की बात करते हैं। आयोग ने समूह-ग परीक्षा की आंसर की जारी कर उसमें आपत्ति दर्ज कराने का मौका दिया है।

इसी तरह कर व राजस्व निरीक्षक (लिखित) परीक्षा के परीक्षा केंद्र में संशोधन किया गया है। समूह-ग परीक्षा के सामान्य ज्ञान, सामान्य अध्ययन तथा विषयपरक जानकारी के वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न पत्र की चारों सीरीज (A. B. C & D) की उत्तर कुंजी को उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की वेबसाइट पर अभ्यर्थियों के सूचनार्थ प्रसारित कर दिया गया है। अगर किसी अभ्यर्थी को आपत्ति हो तो वह आयोग की वेबसाइट पर Online Answer Key Objection हेतु दिये गये लिंक पर जाकर अपनी आपत्तियों को आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार 22 नवम्बर, 2023 से 28 नवम्बर, 2023 तक दर्ज करा सकते हैं।

इसी तरह अधिशासी अधिकारी एवं कर व राजस्व निरीक्षक परीक्षा के संबंध में भी अपडेट है। रिक्त 85 पदों पर सीधी भर्ती के माध्यम से चयन हेतु अधिशासी अधिकारी एवं कर व राजस्व निरीक्षक (लिखित) परीक्षा-2023 के लिए जिला बागेश्वर (नगर कोड-3) के अंतर्गत आरक्षित परीक्षा केन्द्र 115 के नाम में संशोधन किया गया है। S.S.S.S.L.V. Government Girls College, Near Daak Banglow Kanda, Inter College, District-Bageshwar (केन्द्र कोड-115) किया गया है। ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने उक्त परीक्षा केन्द्र के नाम में संशोधन से पहले परीक्षा का प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर लिया है, उनसे कहा गया है कि वह संशोधित प्रवेश पत्र (UKPSC Group C Recruitment) डाउनलोड करें। ज्यादा जानकारी के लिए आयोग की वेबसाइट www.psc.uk.gov.in पर विजिट करें।

उत्तराखंड पहुंचे राजनाथ सिंह, शादी में करेंगे शिरकत

हल्द्वानी। आज केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट की बेटी का विवाह समारोह है। जिसमें शामिल होने के लिए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज हल्द्वानी पहुंचे। राजनाथ सिंह के हल्द्वानी पहुंचने पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजामात किये गये। राजनाथ सिंह के साथ सीएम धामी भी अजय भट्ट की बेटी के विवाह समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे।

अजय भट्ट ने किया राजनाथ का स्वागतः

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट की बेटी की सुनीति की शादी 27 नवंबर रुद्रपुर में होनी है। शादी समारोह से एक दिन पूर्व हल्द्वानी में महिला संगीत का आयोजन किया गया। जहां भारी संख्या में जनप्रतिनिधि के अलावा स्थानीय लोग शामिल हुए। इस मौके पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत भी पहुंचे। शादी समारोह में कुमाऊं मंडल और गढ़वाल मंडल से कई विधायक भी आशीर्वाद देने के लिए पहुंचे।

बता दें केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट की बेटी की शादी में वीवीआईपी लोगों के आने का अंदेशा है। जिसे देखते हुए शहर में रूट डायवर्ट किया गया है। पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में जीत का दावाः इस दौरान मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा टनल में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार पूरी तरह प्रयास कर रही है। केंद्रीय व राज्य की एजेंसियां लगातार मजदूरों को निकालने का काम कर रही हैं। खुद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार पूरे रेस्क्यू अभियान की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। जल्द ही सभी मजदूर भाइयों को निकाल लिया जाएगा। पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा भाजपा सभी पांच राज्यों में चुनाव जीतने के लिए लड़ रही है। भाजपा ही सभी पांचो राज्यों में सरकार बनाएगी। कहीं किसी गठबंधन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। बता दें अजय भट्ट की बेटी सुनीति वकील हैं। वह हाईकोर्ट में प्रैक्टिस कर रही हैं, उनके होने वाले दामाद हल्द्वानी निवासी मयंक जोशी आइटीबीपी पैरामिलिट्री फोर्स में कमांडेड हैं, वे वर्तमान समय में मिनिस्ट्री ऑफ़ होम में तैनात हैं।

क्या देहरादून में इन रूटों पर नहीं चलेंगे विक्रम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 नवंबर : देहरादून शहर को जाम के झाम से निजात दिलाने की कवायद जारी है। यहां जल्द ही विक्रम के रूट में बदला किया जा सकता है। संभागीय परिवहन प्राधिकरण ने मुख्य शहर यानी घंटाघर और परेड ग्राउंड क्षेत्र में विक्रम-टेंपो वाहनों के संचालन पर पाबंदी लगाने की सिफारिश की है। इसके लिए संभागीय परिवहन प्राधिकरण ने एसएसपी को पत्र को लिखा है। पत्र में परेड ग्राउंड और घंटाघर में लगने वाले जाम का जिक्र है।

प्राधिकरण ने लिखा की विक्रम का परमिट शहर के केंद्र से 25 किमी की परिधि में होता है, लेकिन ये वाहन चुनिंदा रूट पर चल रहे हैं, जिससे जाम की समस्या बढ़ रही है। घंटाघर और परेड ग्राउंड क्षेत्र में विक्रम का संचालन बंद करने की जरूरत है।लेटर में आईएसबीटी-घंटाघर और बल्लीवाला-सहारनपुर चौक रूट के विक्रम वाहनों का संचालन रेलवे स्टेशन तक कराने का सुझाव दिया गया है। रिस्पना पुल-परेड ग्राउंड रूट के विक्रम का संचालन आराघर या बुद्धा चौक तक करने और सहस्त्रधारा-परेड ग्राउंड और रायपुर-परेड ग्राउंड रूट के विक्रम का संचालन सर्वे चौक तक कराने की बात लिखी है। इसी तरह राजपुर-घंटाघर के रूट के विक्रमों का संचालन एस्ले हॉल तक करवाने का सुझाव दिया गया है। बता दें कि पुलिस पहले ही ई-रिक्शा के लिए शहर के मुख्य रूटों को प्रतिबंधित कर चुकी है। अब परिवहन विभाग ने विक्रमों का संचालन रोकने के लिए पुलिस से गुहार लगाई है, क्योंकि शहर में किसी मार्ग विशेष पर वाहनों को नियंत्रित करने का अधिकार पुलिस को है। ऐसे में माना जा रहा है कि जल्द ही विक्रम Dehradun Vikram के रूट में बदलाव किया जा सकता है।

28 नवंबर को हिमाचल से मैंद्रथ पहुंचेंगे शेडकुडिय़ा महाराज

विकासनगर। शेडकुडिया देवता के हिमाचल प्रदेश प्रवास से वापस लौटने की तैयारियां इन दिनों जोर शोर से चल रही हैं। देवता 28 नवंबर को बाशिक महासू मंदिर मैंद्रथ में एक रात के प्रवास पर रहेंगे। मैंद्रथ मंदिर को देवता की आगवानी के लिए सजाया संवारा जा रहा है। मोरी ब्लॉक के फतेह पर्वत स्थित दुणी गांव के खंडासूरी शेडकुडिया महाराज बीते एक साल से हिमाचल प्रदेश के प्रवास पर हैं।

इन दिनों देवता हिमाचल प्रदेश के रोहड़ू क्षेत्र के खशधार गांव में विराजमान हैं। प्रवास की अवधि पूरी होने पर 27 नवंबर को देवता हिमाचल प्रदेश के सराजी चालदा महासू मंदिर में रात्रि प्रवास करेंगे। 28 नंवबर को देवता का आगमन बाशिक महासू महाराज मंदिर मैंद्रथ में होगा। शांटीबिल के बजीर दीवान सिंह ने बताया कि देवता के मैंद्रथ आगमन पर भव्य कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा, इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शेडकुडिया देवता के बजीर कुंवर रणदेव सिंह ने बताया कि देव पालकी हजारों श्रद्धालुओं के साथ मैंद्रथ मंदिर पहुंचेगी।

उत्तराखंड : गढ़वाली-कुमाऊंनी गीतों पर झूमेगा दिल्ली-NCR

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 नवंबर : मिट्टी की खुशबू को आखिर कोई कैसे भुला सकता है? आज भले ही लाखों लोग पहाड़ छोड़कर शहरों में बस गए हैं लेकिन खुशी तब होती है, जब वो उत्तराखंड की संस्कृति और परंपरा को शहरों में भी जीवित रखते हैं। इसी का एक नायाब उदाहरण है उत्तराखंड महोत्सव। देश की राजधानी दिल्ली और एनसीआर में अगर आप रह रहे हैं। उत्तराखंड के कई दिग्गज कलाकार आपको अपनी धुन पर थिरकाने वाले हैं। बीते दो दशकों से इंदिरापुरम में उत्तराखंड महोत्सव का आयोजन होता रहा है और हर बार इसे और ज्यादा बेहतर बनाने की कोशिश की गई है।

हम जब इस आयोजन को करवाने वाले लोगों से मिले तो ये जानकर बेहद खुशी हुई कि शहरों में रहने के बावजूद भी ये लोग उत्तराखंड की संस्कृति, परंपरा और खुशबू को जीवित रखे हुए हैं। उत्तराखंड महोत्सव सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले अनगिनत उत्तराखंडियों के लिए एक सौगात की तरह है। अगर आप भी इस कार्यक्रम में शामिल होना चाहते हैं और अपने लोगों के बीच अपनी संस्कृति से रू-ब-रू होना चाहते हैं तो इंदिरापुरम के शिप्रा सनसिटी चले आइए। यहां सेंट्रल पार्क में आयोजन की पूरी तैयारियां हो चुकी हैं। मंच और आयोजन स्थल एक विशाल मैदान में आयोजित करवाया जा रहा है।

अब जरा जानिए कि इस कार्यक्रम को हर साल सफल बनाने का बीड़ा किसने उठाया हुआ है। ये है उत्तरांचल देवभूमि सांस्कृतिक समिति की वो मजबूत टीम, जिसके हर एक सदस्य ने पूरे उत्तराखंड को एक मैदान में जोड़ने का काम किया है। अध्यक्ष श्री चन्द्र सिंह रावत , उपाध्यक्ष कमल नौटियाल , महासचिव चन्द्र मोहन चौहन , सचिव महेन्द्र सिंह रावत , कोषाध्यक्ष राकेश रावत और समस्त सांस्कृतिक समिति बधाई की पात्र है।

खास बात ये है कि देश और दुनिया को झूमने पे मजबूर कर देने वाले लोक कलाकार जितेन्द्र तोमक्याल, हेमा ध्यानी, सौरभ मैठाणी यहां आ रहे हैं। इसके अलावा अपनी मधुर आवाज से हर किसी का दिल जीतने वाली संगीता ढौंडियाल भी यहां आ रही हैं। आज नौकरी और

रोजी रोटी की तलाश में हम सभी उत्तराखंड को छोड़कर शहरों में बसने आए है लेकिन देवभूमि और पहाड़ों की यादें हमारे दिलों में बसी है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम उन यादों को एक बार फिर से जी सकते हैं। इसलिए थोड़ा सा भी वक्त है तो आप भी इंदिरापुरम चले आइए। अपने लोगों और अपने विशाल परिवार से मिलने में हर किसी को अच्छा लगता है। जय उत्तराखंड, जय देवभूमि।

लिवर की समस्या से बचना चाहते हैं, तो खाने में करें ये बदलाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रपोर्ट 26 नवंबर : लिवर की बीमारियां संपूर्ण शरीर के लिए दिक्क़ते बढ़ाने वाली हो सकती हैं। पेट और आंतों से निकलने वाला सारा खून लिवर से होकर गुजरता है। लिवर इस रक्त को संसाधित करने, पोषक तत्वों के अवशोषण, भोजन के पाचन को बढ़ावा देने के साथ कई प्रकार के हार्मोन्स भी रिलीज करता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, युवाओं में बढ़ रही फैटी लिवर की समस्या काफी चिंताजनक है, इससे सभी लोगों को बचाव करते रहना चाहिए। फैटी लिवर की समस्या, उन लोगों को भी हो सकती है जो शराब नहीं पीते हैं।

फैटी लीवर डिजीज, जैसा कि इसके नाम से पता चलता है यह लिवर में वसा के निर्माण के कारण होने वाली समस्या है। इस बीमारी में लिवर के लिए सामान्य तरीके से काम कर पाना कठिन हो जाता है, जिसका असर संपूर्ण शरीर पर हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हर आयु के लोगों को लिवर की सेहत को ठीक रखने पर गंभीरता से ध्यान देते रहना चाहिए, यह समस्या किसी को भी हो सकती है। आइए जानते हैं कि लिवर की इस बीमारी से बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखा जाना आवश्यक है?

क्यों होती है फैटी लिवर की समस्या?

फैटी लिवर डिजीज में, लिवर की कोशिकाओं में अतिरिक्त फैट जमा होने लगता है। वसा के इस प्रकार के जमाव के कई कारण हो सकते हैं। शराब का अधिक सेवन करने वालों में इस तरह की समस्याओं के जोखिम अधिक होता है। वहीं, आहार और लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के कारण बिना शराब का सेवन किए भी आप में इस समस्या का जोखिम हो सकता है। मोटापा, टाइप-2 डायबिटीज, इंसुलिन प्रतिरोध, रक्त में ट्राइग्लिसराइड की अधिकता और मेटाबॉलिक सिंड्रोम जैसी समस्याओं के कारण भी फैटी लिवर डिजीज होने का खतरा हो सकता है। इसके लिए आहार और दिनचर्या को ठीक रखना बहुत आवश्यक माना जाता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

डॉक्टर बताते हैं फैटी लिवर की समस्या से

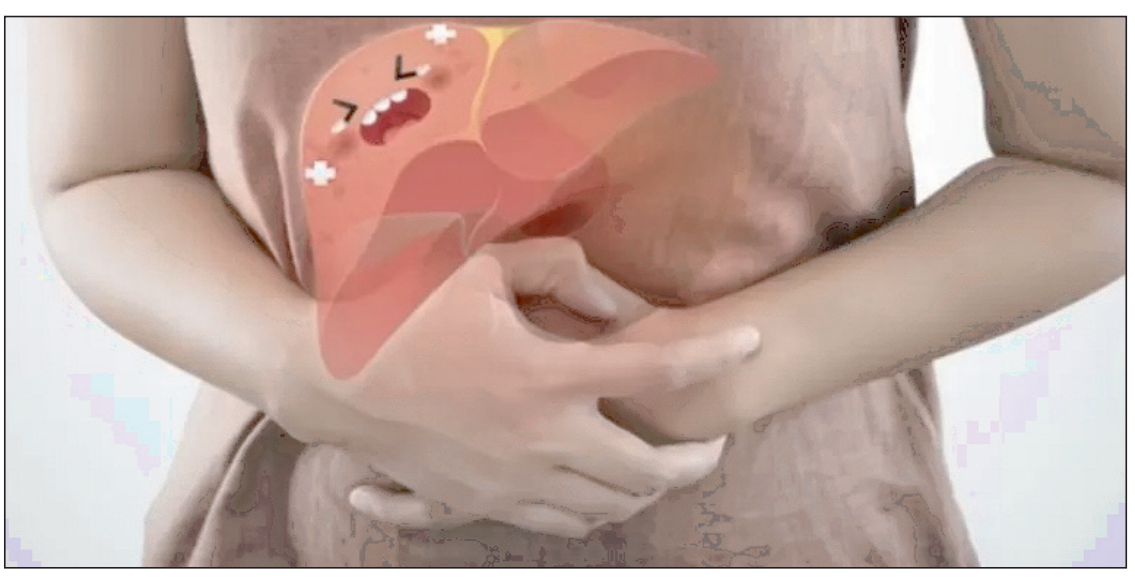

बचाव के लिए आहार में फाइबर से भरपूर चीजों को शामिल करना लाभकारी माना जाता है। फाइबर, लिवर के कार्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके लिए ताजे फल और सब्जियां, फलियां और साबुत अनाज को आहार में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा लिवर की इस समस्या से बचाव के लिए भोजन में नमक और चीनी की मात्रा को कम रखने की सलाह दी जाती है। लिवर की सेहत का ख्याल रखें।

हर मजहब के इंसान से प्रेम करते थे सच्चे नबी : मौलाना मशहूदुर्रहमान

मदरसा ऐनुल उलूम कुंडीखेड़ा सहारनपुर में तालीमी बेदारी कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रविवार को मदरसा ऐनुल उलूम कुंडीखेड़ा सहारनपुर में तालीमी बेदारी कॉन्फ्रेंस में मौलाना मशहूदुर्रहमान शाहीन जमाली चतुर्वेदी ने तकरीर में ये बात कही।

मुख्य अतिथि मौलाना मशहूदुर्रहमान शाहीन जमाली चतुर्वेदी ने कहा हमारा प्यारा हिंदुस्तान दुनिया का सबसे खूबसूरत मुल्क है। जिसे हम अपने दिल की गहराइयों से मोहब्बत करते हैं। यह शिक्षा हमारे बुजुर्गों से मिली है और अंतिम संदेष्टा नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम गैर मुस्लिम भाइयों के साथ मोहब्बत और बेहतरीन तअललुक का जो मामला फरमाया करते थे। हदीस में उसका जिक्र आता है कि आप सल्लल्लाहू अलेही वसल्लम का उनसे एहतराम इंसानियत और खूनी रिश्ते से इंसानी बिरादरी और

आपस में भाईचारा की बुनियाद पर कायम था। मुस्लिम पड़ोसी के घर हदिया भेजते थे एवं उनके साथ प्रेम और आपसी सद्भाव के साथ जीवन व्यतीत करते थे। हमारे नबी गरीबों के हमदर्द, यतीमो के सहारा, मज़लूमो के मददगार और अपना ग़म छुपा कर दूसरे के ग़म दूर करते थे। आप दुश्मन पर भी फूल न्योछावर करते थे, गालियां देने वाले को माफ कर दिया करते थे, कांटे बिछाने वाले को भी आगोशे शफक़त में ले लेते थे। आपने औरतों को उनका जायज़ हक़ दिलाया। आपने ऊंच नीच जाति बिरादरी छुआछूत के फर्क़ को मिटाया। आप समाज के हर तबके.को मोहब्बत की नजर से देखा करते थे। आप दुनिया के वह अज़ीम इंसान हैं जिसने अपनी तालीमात से नौजवानों को पाकिज़गी अता की। आपकी तालीमात बूढ़ों के ज़ईफि का सहारा बनी और मासूम बच्चों के मुस्कुराहट की हिफाज़त का ज़रिया बनी, आपकी तालीमात में यतीमो बेवावो और बेसहारा लोगों के हुकूक़ है। आपकी तालीमात ने औरत को इज्जत व हया की चादर दी।आपकी तालीमात ने हर मज़हब के इंसान को इज्जत की निगाह से देखने का हुकुम दिया। इस अवसर पर मुफ्ती हसन साहब ने तकरीर करते हुए कहा मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम से हमें सच्चा इश्क होना चाहिए और उनकी सुन्नत को जिंदा करने और उनके बताए हुए रास्ते पर चलते रहना चाहिए।इस मौक़े पर मौलाना नाजिम नदवी, मौलाना मोहम्मद आसिफ नदवी, मौलाना मुशर्रफ रशीदी, कारी शाहिद अहमद ने भी तकरीर की। इस अवसर पर कारी मोहम्मद इसहाक़ ने आए हुए सभी मेहमानों का शुक्रिया अदा किया।

उम्र बढ़ने के साथ क्यों कम होने लगती है नींद, जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 26 नवंबर : मेमोरी और फोकस यानी संपूर्ण मस्तिष्क स्वास्थ्य के लिए अच्छी और गहरी नींद जरूरी है। पर क्या आप इन दिनों बिस्तर पर देर से जाने के बावजूद सुबह जल्दी उठ जाती हैं? या रात को कई बार आपकी नींद टूटती है? वास्तव में यह उम्र बढ़ने का सबसे स्वभाविक संकेत है। विभिन्न शोध और एक्सपर्ट इस पर सहमति जताते हैं कि उम्र का प्रभाव हमारी नींद पर भी पड़ता है। पर क्यों होता है ऐसा? और क्या हो सकते हैं इसके दुष्प्रभाव यह जानने के लिए आइए कुछ शोधों पर नजर डालते हैं।

कब, कितनी नींद है सामान्य

जन्म के तुरंत बाद बच्चा 24 में से 22 घंटे सोता रहता है। जैसे-जैसे वह बड़ा होता है, उसकी नींद शरीर के अनुसार, बदलती रहती है। वयस्क होने पर व्यक्ति 8-9 घंटे की नींद लेता है। ब्रेन हेल्थ के लिए नींद की भूमिका अहम है। नर्व, न्यूरो ट्रांसमीटर और ब्रेन के लिए 7-8 घंटे की बाधा रहित नींद जरूरी है। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारी नींद प्रभावित होने लगती है। रात में कई घंटे तक नींद नहीं आना, रात भर नींद खुलते रहना उम्र बढ़ने के साथ महसूस होने वाली आम समस्याएं हैं।

क्या है नींद कम आने के कारण

गहरी नींद में सोना स्टेज 3 स्लीप कहलाता है। यह मसल्स और टिश्यू ग्रोथ के लिए जरूरी है। इस दौरान शरीर में सेलुलर रिपेयर भी होती है। हार्मोनल चेंज, मेडिकल कॉम्प्लिकेशन और स्ट्रेस उम्र बढ़ने पर नींद कम होने के प्रमुख कारक हैं। डिप्रेशन, एंग्जायटी, नाइट शिफ्ट में काम करने के कारण भी नींद प्रभावित हो सकते हैं। बुढ़ापे में कुछ दवाएं भी साउंड स्लीप नहीं आने देने के लिए जिम्मेदार होती हैं। इसके जेनेटिक्स भी कारण हो सकते हैं।

उम्र बढ़ने के साथ आपके शरीर का सर्केडियन सिस्टम भी प्रभावित हो जाता है।साउंड स्लीप में मददगार हो सकते हैं ये उपाय उम्र बढ़ने के साथ लाइफस्टाइल में बदलाव लाकर शरीर को अधिक गहरी और आरामदायक नींद दिलाने में मदद मिल सकती है।

1- एरोबिक एक्सरसाइज करें

कार्डियो वर्कआउट, जिसे एरोबिक व्यायाम भी कहा जाता है। तैराकी, बाइकिंग, जॉगिंग या या वॉकिंग कार्डियो वर्कआउट हैं। इससे अच्छी नींद आती है। अनुलोम विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, दुर्गा प्राणायाम, शासन भी गहरी नींद लाने में मदद करते हैं।

2 - किसी भी प्रकार के नशे को छोड़ दें

यदि आप किसी प्रकार का नशा करती हैं, तो उसे तुरंत छोड़ दें। नशा हमारे नयूरोट्रांसमीटर और नींद को प्रभावित करता है। सोने से पहले निकोटीन, कैफीन का सेवन नहीं करें।

3- स्लीप सप्लीमेंट

साउंड स्लीप के लिए स्लीप सप्लीमेंट भी ट्राई कर सकती हैं। स्लीप सप्लीमेंट ट्राई करने से पहले डॉक्टर से परामर्श लेना जरूरी है।स्लीप सप्लीमेंट ट्राई करने से पहले डॉक्टर से परामर्श लेना जरूरी है। वे व्यक्ति के द्वारा पहले से ली जा रही दवाओं के अनुसार स्लीप सप्लीमेंट प्रिसक्राइब करेंगे।

4 - गैजेट्स को न लगाएं बेडरूम में

सोने के एक घंटे पहले किसी भी प्रकार की टेक्नोलॉजी से खुद को दूर कर लें। शोध से यह प्रमाणित हो चुका है कि इलेक्ट्रॉनिक गुड्स से निकलने वाली ब्लू लाइट हार्मोन को प्रभावित कर देती है. जिससे साउंड स्लीप आने में दिक्कत होती है।

हल्द्वानी की अचला को बधाई, ICAR परीक्षा में हासिल की ऑल इंडिया 8वीं रैंक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी 26 नवंबर : उत्तराखंड की बेटियां प्रतियोगी परीक्षाओं में शानदार सफलता हासिल कर प्रदेश का मान बढ़ा रही हैं। इसी कड़ी में एक अच्छी खबर हल्द्वानी से आई है। यहां रहने वाली अचला पनेरू ने ICAR परीक्षा में सफलता हासिल कर पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। अचला ने परीक्षा में न सिर्फ सफलता पाई, बल्कि वह प्रवेश परीक्षा में पूरे देश में 8वां स्थान हासिल करने में सफल रहीं। उनका चयन चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय हरियाणा में एमएससी (फूड एंड न्यूट्रिशन) में हुआ है।

अचला का परिवार मूल रूप से विकासखंड ओखलकांडा का निवासी है और वर्तमान में अमरावती कॉलोनी, हल्द्वानी में रहता है। उनके पिता नवीन पनेरू कुमाऊं यूनिवर्सिटी में अधिवक्ता हैं, जबकि माता डॉ. मंजू एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी में सहायक प्राध्यापक हैं।अचला एक मेधावी छात्रा रही हैं। विश्वविद्यालय की ओर से मार्च 2023 में उन्हें फूड साइंस और न्यूट्रिशन पर इंटर्नशिप करने के लिए फ्रांस जाने का मौका मिला था।

अचला का लक्ष्य रिसर्च (फूड एंड न्यूट्रिशन) के क्षेत्र में काम करना है। शिक्षा की बात करें तो अचला पनेरू ने साल 2019 में बीर शिवा स्कूल से इंटर तक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उनका दाखिला पंतनगर विश्वविद्यालय में हुआ और वहां से ग्रेजुएशन (2023) पूरा होने के बाद उन्हें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च (आईसीएआर) की प्रवेश परीक्षा में सफलता मिली है। अचला ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता को दिया है। न्यूज़ वायरस टीम की ओर से भी अचला को शुभकामनाएं, हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

हरिद्वार : सर्दियां बढ़ने के साथ ही ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक, दिसंबर से फरवरी तक रद्द रहेंगी ये ट्रेनें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 26 नवंबर : सर्दियां बढ़ने के साथ ही ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक लगना शुरू हो गया है। हरिद्वार-ऋषिकेश से होकर गुजरने वाली दो जोड़ी ट्रेनों का संचालन दिसंबर से लेकर फरवरी तक रद्द कर दिया गया है। अभी कई और रूटों पर चलने वाली ट्रेनों का भी संचालन कोहरे के चलते बंद हो सकता है। लंबी दूरी की अधिकांश ट्रेनों में वेटिंग 100 के पार चल रही है। अब दिसंबर में कोहरे की आशंका को देखते हुए रेलवे की ओर से ट्रेनों का संचालन रद्द करना शुरू कर दिया गया है। फिलहाल हरिद्वार और ऋषिकेश से होकर गुजरने वाली दो जोड़ी ट्रेनों को दिसंबर की शुरुआत होते ही बंद कर दिया जाएगा।

स्टेशन अधीक्षक दिनेश कुमार के मुताबिक, ऋषिकेश जम्मू तवी चार दिसंबर से 26 फरवरी और जम्मू तवी ऋषिकेश तीन दिसंबर से 25 फरवरी तक रद्द रहेगी। प्रयागराज ऋषिकेश तीन दिसंबर से 29 फरवरी तक और ऋषिकेश प्रयागराज चार दिसंबर से एक मार्च तक निरस्त रहेगी। फिलहाल इन ट्रेनों का संचालन हो रहा है। सर्दियों में कोहरे के चलते हर साल कई ट्रेनों को रद्द किया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

'पर्वतीय क्षेत्रों के लिए वरदान साबित होंगे बीज कमंडल'

रुद्रपुर। उत्तराखंड के 23 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद हल्दी में पर्वतीय बीज कमंडल निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। बताया कि बीज कमंडल में माइक्रो व मैक्रो न्यूट्रिएंट्स पर्याप्त मात्रा में होते हैं। नमी पाते ही माइक्रो व मैक्रो न्यूट्रिएंट्स के सहयोग से बीज कमंडल में स्थापित बीज शीघ्र अंकुरित होकर पौध के रूप में तैयार हो जाते हैं। रविवार को आयोजित कार्यशाला में उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद हल्दी के निदेशक डॉ. संजय कुमार ने बताया कि बीज कमंडल से प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में वनीकरण व जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही बीज कमंडल पर्वतीय क्षेत्रों को हरा-भरा करने एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए वरदान साबित होंगे। उन्होंने बताया कि बीज कमंडलों के निर्माण में आरएएन पब्लिक स्कूल रुद्रपुर, डीपीएस रुद्रपुर एवं हल्द्वानी, हीरावती माधवानंद जोशी सरस्वती विहार इंटर कॉलेज शांतिपुरी, कैम्पस स्कूल पंतनगर के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, परिषद के कार्मिकों सहित 305 प्रतिभागियों ने सहयोग किया। इसके लिए आशियन वल्ड रिकॉर्ड संस्था ने रिकॉर्ड की स्वीकृति दी थी।

डॉ. संजय और डॉ. सुमित आशियन वल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित : उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद हल्दी की ओर से विकसित बीज कमंडलों के निर्माण के लिए निदेशक डॉ. संजय कुमार और डॉ. सुमित पुरोहित को रेडिसन ब्लू होटल में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में आशियन वल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया। वहीं परिषद के वैज्ञानिक डॉ. मणिन्द्र मोहन को भी कम समय में अधिकतम जल नमूनों का संग्रह व परीक्षण करने के लिए आशियन वल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम वॉइस एशिया न्यूज़, ब्रेनीवुड साइंस लैब एवं रे फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

महुआडाबरा में डा. आंबेडकर को याद कर मनाया संविधान दिवस

काशीपुर। नगर पंचायत महुआडाबरा के रविदास मंदिर परिसर में संविधान दिवस मनाया गया। लोगों ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान को याद करते हुए विचार रखे। संविधान के बारे में लोगों को बताया। इससे पहले लोगों ने बाबा भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। यहां एससी आयोग अध्यक्ष मुकेश कुमार, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रीतम सिंह, विनोद कुमार, अशोक कुमार, मो.उमर, तेजपाल सिंह, डॉ.शिवेंद्र, सुरेंद्र सिंह, राजपाल, मनीष, क्रांति प्रभा, सुखबीर सिंह, अरविंद कुमार, किशन सैनी आदि रहे।

एक्शन में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य, फर्जी राइस मिलों पर ताबड़तोड़ छापेमारी

देहरादून। सरकार में खाद्यान्न मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रही कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने रविवार को उधम सिंह नगर के बाजपुर और जयपुर में मौजूद राइस मिलों पर छापेमारी की। इस दौरान भारी अनियमित पाए जाने पर कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने मौके पर ही कड़ी कार्रवाई की। पिछले कई दिनों से मिल रही शिकायतों पर उत्तराखंड सरकार में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री रेखा आर्या ने उधमसिंह नगर जनपद के बाजपुर और जसपुर में राइस मिलों में ताबड़तोड़ छापेमारी की थी। खाद्य मंत्री को अपने निरीक्षण में कई सारी खामियां देखने को मिली। जिसपर विभाग ने नियमों का पालन ना कर रही मिलों पर कार्यवाही की है। ऐसी कुल 4 मिलों को सस्पेन्ड किया है। जिनमें धनलक्ष्मी सीड्स बाजपुर , महाबीर राइस मिल बाजपुर ,रह्मद्व इंडस्ट्रीज बाजपुर और पंजाब राइस मिल जसपुर शामिल हैं। खाद्य मंत्री ने बताया रसू इंडस्ट्रीज बाजपुर के अपने निरीक्षण में उन्हें यह प्लांट बंद खंडर अवस्था में मिला। उन्होंने कहा ऐसा प्रतीत होता है कि यह प्लांट संचालन की अवस्था में नहीं है। जहां यहां धूल फैली हुई है तो वहीं यहां पर कर्मचारियों का ना होना भी इस बात की पुष्टि करता है कि यह प्लांट भी बंद है। उन्होंने कहा प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह सारे प्लांट सिर्फ एक डमी के रूप में लगाए गए हैं। जिसका उद्देश्य सिर्फ धान का क्रय करना है। जिन भी मिलों में कमियां पाई गई हैं उनमें सोर टैक्स मशीन, ड्रायर प्लांट, ब्लेन्डिंग मशीन का ना होना पाया गया है।

'लाइफ इन आरआरटीएस' पर फोटोग्राफी करें और जीते ईनाम

मेरठ दिल्ली रैपिड संचालन के बाद एनसीआरटीसी ने शुरू की प्रतियोगिता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मेरठ 26 नवंबर। एनसीआरटीसी नमो भारत ट्रेन के यात्रियों के लिए "लाइफ इन आरआरटीएस" पर एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। इस प्रतियोगिता का विषय ₹लाइफ इन आरआरटीएस थ्रू माई लेंस₹ है और यात्री इस प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी फोटोग्राफी प्रतिभा को प्रदर्शित कर सकते हैं, साथ ही पुरस्कार भी जीत सकते हैं। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 20 दिसंबर 2023 तक प्रविष्टियां जमा की जा सकती हैं।

आरआरटीएस यात्रियों के जीवन में उनका कीमती समय बचाकर, विश्वसनीयता, आराम और सुरक्षा सुनिश्चित करके वास्तविक बदलाव लाने का प्रयास कर रहा है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों के जीवन में आई इन्हीं प्रभावों को फोटो के माध्यम से प्रदर्शित करने का लक्ष्य है। इस प्रतियोगिता के शीर्ष तीन विजेताओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए क्रमश 10,000 रुपये, 7,500 रुपये और 5,000 रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता के विजेता तस्वीरों को विभिन्न आरआरटीएस स्टेशनों, एनसीआरटीसी कॉर्पोरेट कार्यालय, प्रदर्शनियों और अन्य संभावित प्लेटफार्मों पर भी प्रदर्शित किया जा सकता है, जिससे विजेताओं को अपने काम को व्यापक दर्शकों के सामने प्रदर्शित करने का रोमांचक अवसर मिलेगा। प्रतिभागी उनके द्वारा खींची गई तस्वीरों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर एनसीआरटीसी के फेसबुक (@officialncrtc), इंस्टाग्राम (@officialncrtc) और X (twitter.com) एकाउंटस को टैग करके शेयर भी कर सकते हैं। नमो भारत ट्रेनों और आरआरटीएस स्टेशनों की अद्वितीय खूबसूरती और यात्रियों के लिए आरआरटीएस के महत्व को दर्शाते हुए एक कहानी बताने, भावनाओं को व्यक्त करने और कभी ना भूले जाने वाले यात्रा के खूबसूरत लम्हों को अपने कमरों में कैद करने के लिए प्रतियोगियों को प्रत्साहित किया जाता है। इस दौरान प्रतियोगी सुबह या शाम कभी भी आकर्षण के पलों, स्टेशन में यात्रियों की भीड़ या फिर किसी भी ऐसे यादगार मंज़र को अपने कमरे में कैद कर सकते हैं, जो उसे दूसरे लोगों के लिए भी खास बनाता हो। प्रतियोगिता का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को आरआरटीएस स्टेशनों और नमो भारत ट्रेनों की यात्री-केंद्रित सुविधाओं को एक्सप्लोर करना और उनका अनुभव कराना है, हालांकि, इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के लिए सभी संस्थाओं और व्यक्तियों के गोपनीयता अधिकारों का सम्मान करना और उनका सख्ती से पालन करना अनिवार्य है। इस संबंध में सभी लागू गोपनीयता कानूनों और अन्य प्रचलित कानूनों का अनुपालन बिना किसी अपवाद के अनिवार्य है।

प्रविष्टियाँ ईमेल करें - pr@ncrtc.in पर जमा की जानी चाहिए। अन्य माध्यमों से प्रस्तुतियाँ स्वीकार नहीं की जाएंगी।

उत्तराखंड में बर्फबारी का यलो अलर्ट, ये हिल स्टेशन कर रहे हैं पर्यटकों का इंतजार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 27 नवंबर : उत्तराखंड में ठंड दस्तक दे चुकी है। पहाड़ों में बर्फबारी के बाद ठिठुरन का अहसास होने लगा है। 27 नवंबर को हरिद्वार और ऊधमसिंहनगर को छोड़ सभी जिलों में बारिश हो सकती है। इसे देखते हुए येलो अलर्ट जारी है। पहाड़ों में मौसम खुशगवार है, लेकिन दिल्ली एनसीआर में अभी भी हवा दमघोंटू बनी हुई है। हर कोई फेफड़ों को डिटॉक्स करने के लिए पहाड़ों की सैर पर निकलने की प्लानिंग कर रहा है।

अगर आप भी ऐसा सोच रहे हैं तो उत्तराखंड आपके स्वागत के लिए तैयार है। उत्तराखंड की गुलाबी सर्दी और ताजा बर्फबारी का नजारा आपको अद्भुत लगेगा। चलिए अब आपको उत्तराखंड के उन पर्यटन स्थलों के बारे में बताते हैं, जहां आप अपनी छुट्टियों को यादगार बना सकते हैं। इस लिस्ट में पहला नाम नैनीताल का है। समुद्रतल से 6358 फीट की ऊंचाई पर स्थित नैनीताल में साल के बारहों महीने ठंड रहती है, लेकिन नवंबर, दिसंबर और जनवरी में यहां बर्फबारी के बाद नजारे देखने लायक होते हैं। नैनीताल में आप नैनी झील और मां नैना देवी मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। माल रोड पर घूमने का लुत्फ उठा सकते हैं। चिड़ियाघर और अयारपट्टा हिल टिफिन टॉप भी यहां का मुख्य आकर्षण हैं।

नैना पीक, केव गार्डन के अलावा आप गुर्नी हाउस, स्नो व्यू पॉइंट और सेंट जॉन चर्च भी दर्शनीय हैं। इन दिनों नैनीताल का तापमान अधिकतम 16 डिग्री व न्यूनतम 5 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है। काठगोदाम से नैनीताल की दूरी करीब 35 किलोमीटर है। सड़क मार्ग से ये दूरी करीब डेढ़ घंटे में तय हो जाती है। बात पर्यटन की हो रही है तो मसूरी का जिक्र करना तो बनता है। पहाड़ों की रानी मसूरी उत्तराखंड के सबसे ज्यादा लोकप्रिय शहरों में से एक है। यहां कैमल्स बैक रोड, गन हिल और माल रोड पर चहलकदमी की जा सकती है। लाल टिब्बा भी मसूरी का दर्शनीय स्थल है। यहां स्थित लाल टिब्बा मसूरी का सबसे ऊंचा प्वाइंट कहा जाता है। इसके अलावा मसूरी में मसूरी लेक, केम्प्टी फॉल, म्युनिसिपल गार्डन और शेडअप चोपेलिंग मंदिर भी दर्शनीय स्थल हैं।

देहरादून से मसूरी की दूरी 36 किलोमीटर है। सड़क मार्ग से ये दूरी 1 घंटा 20 मिनट में तय हो जाती है। जौलीग्रांट हवाई अड्डा यहां का नजदीकी हवाई अड्डा है। यहां दिसंबर शुरुआत में बर्फबारी हो सकती है। नैनीताल और मसूरी के अलावा आप कौसानी भी जा सकते हैं, जिसे भारत का स्विट्जरलैंड कहा जाता है। अल्मोड़ा से कौसानी 53 किलोमीटर दूर है। यहां बर्फ से ढकी नंदा देवी की चोटी का अद्भुत नजारा दिखाई देता है। कौसानी से चौखंबा पर्वत, नीलकंठ पर्वत, नंदा घुंटी पर्वत, त्रिशूल पर्वत, नंदा देवी पर्वत, नंदा खाट पर्वत, नंदा कोट पर्वत और पंचाचूली पर्वतों की चोटियां दिखाई देती हैं। यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन काठगोदाम है। यहां से आप टैक्सी या सरकारी ट्रांसपोर्ट से कौसानी पहुंच सकते हैं। तो फिर अगर आप भी अपने सफर को यादगार बनाने के लिए पर्यटन स्थल ढूंढ रहे हैं तो उत्तराखंड आपके लिए बेस्ट ऑप्शन है। देर न कीजिए और उत्तराखंड की खूबसूरत वादियों में चले आइए।

संक्षिप्त खबरें

देहरादून स्मार्ट सिटी में जो काम हुए हैं, वह डीपीआर के आधार पर नहीं किए गए : विनोद चमोली

देहरादून। स्मार्ट सिटी के काम उत्तराखंड सरकार के लिए सिर दर्द बनते जा रहे हैं। विकास कार्यों की सुस्त गति जनता के लिए भी परेशानी का सबब रही है। इन हालातों के बीच भाजपा के धर्मपुर से विधायक विनोद चमोली ने ऐसा बड़ा खुलासा कर दिया है, जो पूरे प्रोजेक्ट पर ही सवाल खड़े कर रहा है। दरअसल भाजपा विधायक विनोद चमोली ने सीधे तौर पर कह दिया है कि देहरादून स्मार्ट सिटी में जो काम हुए हैं, वह डीपीआर यानी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट के आधार पर नहीं किए गए। शहरी विकास मंत्री ने सदन में नहीं उठने दिया मामलाः देहरादून शहर की सूरत को बदलने के लिए डीपीआर में जिन बातों का जिक्र किया गया था, उनको प्रोजेक्ट बनाने के दौरान काम के लिहाज से अमल में लाया ही नहीं गया। सबसे बड़ी बात यह है कि विधायक ने इस मामले की गंभीरता को समझते हुए विधानसभा में भी विषय को उठाने की कोशिश की, लेकिन विभागीय मंत्री ने उन्हें सदन में ऐसा करने से रोक दिया, जिसके कारण वह इस मामले को सदन में नहीं उठा पाए। डीपीआर के मुताबिक काम ना होना अनियमितताः किसी भी परियोजना की पहले डीपीआर यानी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जाती है और फिर इसी के लिहाज से पूरी परियोजना में काम किए जाते हैं, लेकिन अगर डीपीआर तैयार करने के बाद उस पर काम नहीं हो रहा है, तो यह अनियमितता के दायरे में आता है. इसके लिए सक्षम स्तर पर डीपीआर में बदलाव होना जरूरी होता है, लेकिन यदि ऐसा किए बिना डीपीआर के उलट प्रोजेक्ट में काम किए गए हैं, तो यह गंभीर गड़बड़ी को उजागर करते हैं। हालांकि इस मामले में विनोद चमोली ने अधिकारियों को आड़े हाथ लेने की कोशिश की है, लेकिन इसकी सीधी जिम्मेदारी विभाग के मंत्री और सरकार की भी है। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता गरिमा दसौनी ने विनोद चमोली को बधाईः कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता गरिमा दसौनी ने कहा कि वह भाजपा विधायक को उनके साहस के लिए बधाई देती हैं, लेकिन अगर वह यह बात प्रोजेक्ट की शुरुआती चरण में बता देते, तो राज्य को इतना बड़ा नुकसान नहीं होता।

हरिद्वार-ऋषिकेश नेशनल हाईवे पर लंबा जाम

ऋषिकेश। वीकेंड पर हरिद्वार से ऋषिकेश का सफर लोगों के लिए किसी मुसीबत से कम नहीं है। श्यामपुर में रेलवे फाटक के पास जाम ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। संकरे हाईवे पर लोगों को जाम से राहत दिलाने के लिए पुलिस भी प्रभावी कदम उठाती नजर नहीं आ रही है। समस्या के हल के लिए पुलिस हाईवे पर एनएच पीडब्ल्यूडी के वैली ब्रिज बनने का इंतजार कर रही है। श्यामपुर में हरिद्वार-ऋषिकेश नेशनल हाईवे पर रविवार को फिर वाहनों का लंबा जाम लगा। नेपाली फार्म फ्लाईओवर से लेकर श्यामपुर रेलवे फाटक तक वाहनों की कतारें लगी नजर आईं। ऋषिकेश से हरिद्वार जाने वाले ट्रैफिक की स्थिति भी राजमार्ग पर कमोवेश ऐसी ही दिखी। दिनभर वाहन सवार जाम के झाम से जूझते रहे। हाईवे पर वाहन रेंग-रेंगकर गुजरते दिखे। जाम के चलते सवारी वाहन चालकों ने ग्रामीण इलाकों की तंग सडक़ों का रुख किया, जिससे गांवों की सडक़ों पर भी ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। जाम में फंसे कई लोग समस्या का हल न होने पर सरकारी तंत्र को कोसते नजर आए। सीओ संदीप नेगी का कहना है कि हाईवे पर गढ़ी तिराहे से रेलवे फाटक और दूसरी तरफ हाट बाजार से आगे का पैच बेहद संकरा है। जबकि, वीकेंड पर वाहनों का दबाव राजमार्ग पर बढ़ जाता है, इसके चलते समस्या पैदा हो रही है।

समाज सुधार में बेटियों का शिक्षित होना जरूरी: मौलाना मुगीसी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मेरठ 26 नवम्बर। समाज सुधार में बेटियों का शिक्षित होना बेहद जरूरी है। दीनी और दुनियावी तालीम के साथ बेटियां समाज को मजबूत करने में अपना अहम रोल अदा कर रहीं हैं। शनिवार को हापुड़ क्षेत्र के अजराड़ा स्थित मदरसा जामिया गुलजार ए हुसैनिया में 104वां इजलास आयोजित हुआ। महिला इजलास में मदरसे के मुहतमिम हकीम मौलाना मुहम्मद अब्दुल्लाह मुगीसी ने प्रथम पाली में महिला इजलास में तकरीर की।

मौलाना मुगीसी ने जामिया के सवा सौ साला इतिहास पर रोशनी डालते हुए कहा कि आज सम्मेलन में हमारी बेटियां विराजमान हैं। लेकिन आज से एक शताब्दी पूर्व यहाँ की नारी हांडियों में आटा जमा करके हाफिज रहमतुल्लाह साहब को भेजा करती थीं। ये ही इस मदरसे की कुल जमा पूँजी होती थी, जो आज दो करोड़ के बजट तक पहुँच गई है। कहा कि मदरसे का ये विकास इख़्लास और लिल्लाहियत का प्रोग्राम है, उन्होंने आगे कहा कि हमारा सरमाया इसी जनता का सद्भाव स्त्री पुरुषों का चन्दा है। सरकार से मान्यता प्राप्त होने पर भी हम जूनियर हाई स्कूल के लिए सरकार से कोई सहायता नहीं लेते हैं। इस से पूर्व जामिया की छात्राओं ने नात नजम तिलावत इत्यादि पर आधारित लगभग घंटे तक

■ हापुड़ के अजराड़ा स्थित मदरसा जामिया गुलजार ए हुसैनिया में संपन्न हुआ महिला इजलास

दिलचस्प प्रोग्राम पेश किया। इस्लामी मदरसे इस्लाम धर्म के रक्षक और इस्लामी आस्थाओं व शिक्षाओं की रक्षा का बड़े माध्यम हैं।

मदरसे के छात्र देश के कोने - कोने में फैला रहे दिन की रोशनी

अजराड़ा के ऐतिहासिक मदरसे के छात्र वर्तमान में भारत के कोने-कोने में पहुँचा है। दारुल उलूम देवबन्द, मजाहिर उल उलूम सहारनपुर, दारुल उलूम नदवतुल उलेमा लखनऊ, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और जामिया मिलिया इस्लामिया देहली जैसी बड़ी संस्थाओं मे गुलजार ए हुसैनिया के फारीगीन अपनी सेवाऐं दे रहे हैं। शिक्षा, प्रचार, पत्रकारिता हर क्षेत्र में यहाँ के लोग अपना काम कर रहे हैं'।

शादी में दहेज प्रथा पर महिला वक्ताओं ने डाला प्रकाश : मदरसा इल्हामिया लिल बनात देवबन्द की अध्यक्ष जैनब अर्शी और ऑल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की माहिला विंग की प्रसिद्ध वक्ता डॉ. जीनत मेहताब ने शादियों में चल रही कुप्रथाओं पर प्रकाश डाला। महिलाओं के दीनी ईमानी और इस्लामी उत्तरदायित्व की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ जामिया की छात्रा बुशरा इकराम की तिलावत ए कलाम पाक से हुआ। संचालन आलिमा आयशा गुलजार मोमिनाती ने बहुत सुन्दर ढंग से अंजाम दिया। सुबह नौ बजे से शुरु होकर इजलास मोहतमिम जामिया मौलाना मुगीसी की सामूहिक दुआ के बाद जौहर की नमाज के बाद संपन्न हुआ।

संपादकीय

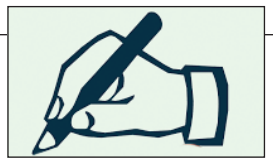

राज्यपाल 'वीटो' नहीं हैं

बीते कल 26 नवम्बर था। 1949 में इसी तारीख को संविधान सभा ने 'स्वतंत्र भारत के संविधान' को अंतिम स्वीकृति दी थी। यहीं से भारत के संसदीय लोकतंत्र की यात्रा आरंभ होती है। इस दिन को देश 'संविधान दिवस' के तौर पर मनाता है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री अच्छे-अच्छे बयान देते हैं। समारोह भी मनाए जाते हैं। संविधान को 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया, लिहाजा उस दिन देश 'गणतंत्र दिवस' मनाता है। संविधान और लोकतंत्र के दो महत्त्वपूर्ण स्तंभ न्यायपालिका और राज्यपाल भी हैं। इन दिनों सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीशों को कुछ राज्यपालों के खिलाफ तल्ख और नाराज टिप्पणियां करनी पड़ी हैं। शीर्ष अदालत को पंजाब के राज्यपाल को आधार बनाकर राज्यपाल की विवेकाधीन, संवैधानिक और मनमानी शक्तियों की एक निश्चित सीमा तय करनी पड़ी है, ताकि तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना के राज्यपाल भी सबक सीख सकें। यदि राज्यपाल संविधान के मुताबिक अपना दायित्व पूरा नहीं करेंगे, तो सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ को अधिक कड़े फैसले लेने पड़ेंगे। संविधान में सभी पदों की शक्तियों और दायित्वों को अच्छी तरह परिभाषित किया गया है। तो फिर क्या कारण हैं कि शीर्ष अदालत को राज्यपालों के खिलाफ कठोर टिप्पणियां करनी पड़ी हैं। बल्कि उनके व्यवहार को 'असंवैधानिक' और 'सियासी' करार देना पड़ा है? एक कारण अनुच्छेद 200 हो सकता है, जिसमें अधूरी व्याख्या की गई है कि राज्यपाल कितने समय में बिलों को अपनी स्वीकृति देंगे। इस परिप्रेक्ष्य में देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को यहां तक कहना पड़ा है कि लोकतंत्र और संविधान में राज्यपाल सर्वेसर्वा नहीं हैं। वे निर्वाचित जन-प्रतिनिधि भी नहीं हैं। राष्ट्रपति ने, केंद्रीय कैबिनेट की सिफारिश पर, उन्हें नियुक्त किया है। वे लोकतंत्र में निर्वाचित विधानसभा पर 'वीटो' नहीं कर सकते। संविधान और लोकतंत्र की मूल ताकत जनता द्वारा चुने गए विधायकों में ही निहित है। राज्यपाल विधानसभा सत्र को 'अवैध' करार नहीं दे सकते। जस्टिस चंद्रचूड़ ने तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि पर सवाल किया है कि वह तीन साल से क्या कर रहे थे? पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को लेकर टिप्पणी की गई है कि क्या उन्हें अंदेशा है कि वह आग से खेल रहे हैं? इस तरह संसदीय लोकतंत्र ही खतरे में पड़ जाएगा! राज्यपाल राज्यों के 'सांकेतिक प्रमुख' होते हैं। असली शक्तियां विधायिका के पास होती हैं। यह बीते 50 सालों के दौरान विभिन्न न्यायिक फैसलों में बार-बार दोहराया गया है। फिर भी राज्यपाल सालों तक उन विधेयकों पर कुंडली मारे बैठे रहते हैं, जिन्हें विधानसभा ने पारित किया है। इस तरह राज्यपाल मौजूदा राज्य सरकार की नीतियों और विधायिका के इरादों को लगातार दरकिनार करते रहे हैं। यह संविधान और लोकतंत्र की निहित भावना नहीं है। शुक्र है कि संविधान सभा ने 'निर्वाचित राज्यपाल' के प्रावधान तय नहीं किए। यह व्यवस्था की गई कि राज्यपाल मुख्यमंत्री के परामर्श से ही नियुक्त किया जाएगा। इस संवैधानिक प्रावधान का भी लगातार उल्लंघन होता रहा है। अब ये तमाम विवादित राज्यपाल भाजपा या संघ परिवार के सदस्य रहे हैं अथवा उनके समर्थित चेहरे हैं, लिहाजा गैर-भाजपा राज्य सरकारों के प्रति राज्यपालों का रवैया पूरी तरह सियासी है। लिहाजा संसद में संविधान संशोधन लाया जाए और राज्यपाल की भूमिका को नए सिरे से परिभाषित किया जाए, या अदालत को ही कोई फैसला सुनाना चाहिए।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

फैज ए आम इंटर कॉलेज में संविधान दिवस पर गोष्ठी हुई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मेरठ 27 नवंबर। रविवार को फैज ए आम इंटर कॉलेज के सभागार में संविधान दिवस के अवसर पर गोष्ठी आयोजित की गई। प्रधानाचार्य शारिक मोहम्मद खान ने बताया कि यह एक ऐतिहासिक दिवस है, क्योंकि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने संविधान को स्वीकार किया। जिसके लिए एक ड्राफ्टिंग कमेटी बनाई गई। जिसका अध्यक्ष भीमराव अंबेडकर बने। प्रधानाचार्य ने डा. भीम राव अंबेडकर के योगदान का वर्णन करते हुए बच्चों को विस्तृत जानकारी दी।

बताया बाबा साहेब के अथक प्रयास से मजबूत एवं समावेशी संविधान बन पाया। प्रधानाचार्य ने बच्चों को संविधान की रक्षा करने के लिए शपथ भी दिलाई। जिसमें जाति एवं धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव को न करने की बात बताई। बच्चों से इस बात का आश्वासन लिया कि हमारे नेताओं द्वारा सौंपी गई धरोहर को ने अक्षुण रखने के लिए अपने व्यावहारिक जीवन में भी अपनाऐंगे। कार्यक्रम में बच्चों ने भी अपने विचार व्यक्त कियेए बच्चों के

लिए संविधान से संबंधित जानकारी के लिए एक प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें बच्चों ने संतोषजनक उत्तर दिए। अंत में बच्चों के लिए एक वृत्तचित्र भी दिखाया गया। कार्यक्रम में शिक्षक डा. शकील अहमद, साजिद बैग, आरिफ अली, हसन, यूसुफ अली, कुंवर शाहिद अली, इशरत अली, बिलाल अहमद, जाहिद सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

बुढ़ना में लस्या महोत्सव में चक्र व्यूह का मंचन

रुद्रप्रयाग। विकासखण्ड जखोली के राजकीय इण्टर कालेज बुढ़ना प्रांगण में लस्या महोत्सव 2023 का भव्य आयोजन किया गया,जिसमें प्रसिद्ध रंगकर्मी डा.राकेश भट्ट द्वारा निर्देशित लोक नाट्य चक्र व्यूह का भव्य मंचन किया गया। महोत्सव में लस्या पट्टी के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे लोगों को लस्या गौरव सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक भरत सिंह चौधरी ने कहा कि क्षेत्र में पहली बार आयोजित लस्या महोत्सव एक अनोखी पहल है,जिसे भविष्य में भी हर वर्ष आयोजित कर हर क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उचित सम्मान व प्रेरणा देने का कार्य किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख जखोली प्रदीप थपलियाल ने लस्या महोत्सव आयोजित करने पर सभी जनप्रतिनिधियों व जनता को बधाई देते हुए अगली बार ओर भव्य रूप से आयोजित करने की बात कही है। जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह ने अध्यक्षा करते हुए सभी का साधुवाद ज्ञापित किया है।

इस अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ सर्जन एवं स्वास्थ्य विभाग के पूर्व संयुक्त निदेशक रहे डा.महेश भट्ट ने प्रेरणादायक व्याख्यान से लोगों को प्रेरित किया है। कार्यक्रम संयोजक विधायक प्रतिनिधि भूपेंद्र सिंह भंडारी ने कहा है कि लस्या महोत्सव आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मानित करना है। उन्होंने सभी के सहयोग के लिए आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया है। इस अवसर पर कार्यक्रम संरक्षक सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य विजेन्द्र सिंह नेगी,अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह, विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख जखोली प्रदीप थपलियाल, प्रधानाचार्य शिव सिंह रावत,प्रो.महावीर नेगी,राशिसं के पूर्व मण्डलीय मंत्री शिव सिंह नेगी,डा.भूपेन्द्र भण्डारी,गोविंद सिंह नेगी, रतनमणी काला, सतीश राणा,भारत भूषण भट्ट, प्रदीप पंवार, बलदेव राणा, आरटीओ अनिल नेगी, बीरेंद्र सिंह नेगी, मनोरमा काला, बीरेंद्र सिंह राणा,सुशीला मेवाड़,वृजेश भट्ट,डा.भूपेन्द्र भण्डारी,सतीश काला, वृजेश भट्ट, सुरेंद्र सकलानी, हयात सिंह राणा सहित कई लोगों को लस्या गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक गिरीश बडोनी ने किया है।

सात हजार अभ्यर्थियों ने नहीं दी ईओ की परीक्षा

रुद्रपुर। अधिशासी अधिकारी कर एवं राजस्व निरीक्षक भर्ती परीक्षा में सात हजार अभ्यर्थी शामिल नहीं हुए। दो पालियों में यह परीक्षा हुई। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9 से 11 बजे और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर एक से शाम चार बजे तक हुई। भर्ती परीक्षा के लिए जिले में 27 केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा के लिए कुल 22,646 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इसमें से 15,346 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। जबकि 7300 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। पहली पाली की परीक्षा में 11,323 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इसमें 7695 उपस्थित और 3628 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में भी 11,323 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इसमें 7651 उपस्थित और 3672 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। अपर जिला एवं नोडल अधिकारी परीक्षा जय भारत सिंह ने बताया कि सभी केंद्रों में परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। नकल का कोई मामला नहीं आया। परीक्षा में 15 हजार 346 अभ्यर्थी शामिल हुए।

मंत्री जोशी ने मुठभेड़ में शहीद हुए भारतीय सेना के वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 26 नवंबर : सूबे के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी सेक्टर में आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में शहीद हुए भारतीय सेना के वीर जवानों को पुष्प चक्र अर्पित कर तथा दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को नमन करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजली दी। बीते दिन हाथीबड़कला स्थित कैंप कार्यालय में जम्मू-कश्मीर के राजौरी सेक्टर में शहीद हुए भारतीय सेना के वीर जवानों को श्रद्धांजली एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने राजौरी सेक्टर में शहीद हुए भारतीय सेना के वीर जवानों को अपनी ओर प्र देश सरकार की तरफ से शहीदों को भावपूर्ण नमन कर श्रद्धांजली अर्पित की। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि मां भारती की रक्षा के लिए भारतीय सेना के इन वीर जवानों द्वारा दिया गया सर्वोच्च बलिदान देश हमेशा याद रखेगा। उन्होंने कहा दुःख की इस घड़ी में सरकार हमेशा शहीदों के परिजनों के खड़ी है। उन्होंने कहा उत्तराखंड के नैनीताल जिले के निवासी शहीद लांस नायक संजय बिष्ट के परिजनों को किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी में समायोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा शहीद के परिजनों से बातचीत कर शहीद लांस नायक संजय बिष्ट के नाम पर किसी विद्यालय या अन्य का नाम रखा जाएगा।

ज्ञात हो कि राजौरी में बुधवार को आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में सेना के दो अधिकारी और तीन जवान शहीद हो गए थे। सेना

को आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी, इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। जिसके बाद ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। जिसमें आतंकियों से मुकाबला करते हुये कैप्टन एमवी प्रांजल, कैप्टन शुभम गुप्ता, हवलदार अब्दुल माजिद, लांन्स नायक संजय बिष्ट और पैराट्रूपर सचिन लौर द्वारा आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। मुठभेड़ में उत्तराखण्ड के नैनीताल जिले के हली गांव, रातीघाट निवासी लांन्स नायक संजय बिष्ट (28) पुत्र दीवान सिंह बिष्ट भी शहीद हो गए।

लांस नायक संजय 12 वर्ष पूर्व भारतीय सेना में भर्ती हुए थे तथा लांस नायक संजय अविवाहित थे। लांस नायक संजय के पिता दीवान सिंह बिष्ट रातीघाट में दुकान चलाने के साथ पोस्ट ऑफिस में भी काम करते हैं । कैप्टन प्रांजल 63 राष्ट्रीय राइफल्स से थे और 29 साल के थे। कैप्टन प्रांजल के पिता मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) के सेवानिवृत्त निदेशक हैं, जो मैसूरु के रहने वाले है कैप्टन प्रांजल ने अपनी स्कूली शिक्षा दक्षिण कन्नड़ जिले के सुरथकल से की और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से इंजीनियरिंग स्नातक थे। कैप्टन शुभम गुप्ता आगरा जिले के निवासी थे, जो 2015 में भारतीय सेना में शामिल हुए थे और 2018 में कमीशन प्राप्त किया था। उनकी पहली पोस्टिंग उधमपुर में हुई थी। हवलदार अब्दुल माजिद जम्मू-कश्मीर के पुंछ के अजोटे के रहने वाले थे। पैराट्रूपर सचिन लौर उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के नागलिया गिउरोला के रहने वाले थे। इस अवसर पर जनरल सम्मी सभरवाल, कर्नल बी.एम थापा, कर्नल बीएस चोना, ले.टीडी भोटिया, कैप्टन शुभम बहादुर गुरुंग, कमल गुरुंग, हवलदार कुलदीप गुरुंग, हवलदार सुरजीत सिंह, कैप्टन एस.एस गुरुंग, नायक सूबेदार जीत सिंह गर्ग, कैप्टन रमाकांत, ए.के.थापा सहित कई पूर्व सैनिक, बीजेपी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

परिवार से बिछड़ कर 02 वर्षों से भटक रहे आन्ध्र प्रदेश के व्यक्ति को उसके परिजनों से मिलाया

अल्मोड़ा। दो साल से घर छोडक़र भटक रहे आंध्र प्रदेश के व्यक्ति को चौखुटिया पुलिस से परिजनों से मिलाया है। बुधवार 22 नवंबर को मुकेश सिंह राणा निवासी पीपलधार चौखुटिया एक व्यक्ति को लेकर थाना चौखुटिया आए। उन्होंने बताया कि यह व्यक्ति हिंदी भाषा नहीं जान पा रहा है और ना हम इसकी भाषा समझ पा रहे हैं, संभवतः यह भटककर यहां पहुंचा है। थानाध्यक्ष चौखुटिया अवनीश कुमार के नेतृत्व में अपर उपनिरीक्षक अनवर अहमद द्वारा उसे व्यक्ति की भाषा को समझने में आ रही दिक्कत को डिजिटल माध्यम से ट्रांसलेशन कर उसका नाम पता जाना, उसने अपना नाम मुच्चू नागा बाबू निवासी ग्राम रामराजू पालम थाना गुडुरु जनपद कृष्णा आंध्र प्रदेश बताया। चौखुटिया पुलिस द्वारा उपरोक्त व्यक्ति के बताए गए पते के अनुसार उसके परिजनों के बारे में जानकारी जुटाना शुरू किया। स्थानीय निवासी मुकेश सिंह राणा द्वारा मानवता दिखाते हुए मुच्चू नागा बाबू को अपने उसके परिजनों के बारे में जानकारी होने तक अपने पास रखने की इच्छा जाहिर की, उपरोक्त व्यक्ति को उनके साथ भेजा गया। चौखुटिया पुलिस ने मुच्चू नागा बाबू के परिजनों के बारे में जानकारी जुटाकर उनसे संपर्क कर उपरोक्त व्यक्ति के बारे में बताया गया, पहचान तस्दीक कराई गई। रविवार को मुच्चू नागा बाबू के परिजन चौखुटिया आए, उन्होंने बताया कि लगभग 2 वर्ष पूर्व पारिवारिक परिस्थितियों के कारण मानसिक तनाव में घर से बिना बताए निकल गए थे, इसके बाद उनकी काफी खोजबीन की गई लेकिन उनका पता नहीं चल पाया, उसके बाद से वह अपने स्वजन के मिलने की आशा छोड़ चुके थे। परिजनों ने चौखुटिया पुलिस की सराहना की। यहाँ पुलिस टीम में थानाध्यक्ष चौखुटिया अवनीश कुमार, अपर उप निरीक्षक अनवर अहमद, कांस्टेबल महेश आर्या शामिल रहे।

कार्तिक स्वामी में भव्य तरीके से मनाई गई देव दीपावली

रुद्रप्रयाग। क्रौंच पर्वत पर स्थित कार्तिक स्वामी मंदिर में देव दीपावली धूमधाम से मनाई गई। बीते शनिवार रात्रि को भगवान कार्तिक की चार पहर पूजा अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली व विश्व कल्याण की कामना की गई। इस मौके पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने क्रौंच पर्वत पहुंचकर पुण्य अर्जित किया। हर साल की तरह इस वर्ष भी बैकुंठ चतुर्थदशी के अवसर पर कार्तिक स्वामी मंदिर में देव दीपावली मनाई गई। मंदिर में 351 दीप जलाकर चारों ओर से रोशन किया गया। रुद्रप्रयाग व चमोली जिले की स्वांरी ग्वांस, पोगठा, बाडव, उर्खोली, फलासी विभिन्न गांवों की कीर्तन मंडलियों ने मंदिर में पहुंचकर अपनी भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दी। ठीक नौ बजे प्रथम पहर की आरती से भगवान विष्णु की महिमा सहित तैंतीस कोटि देवी-देवताओं का आह्वान किया गया। कीर्तन मंडली सहित विभिन्न गांवों की महिलाओं की धार्मिक भजनों की प्रस्तुत भी सराहनीय रही। दूसरे पहर की आरती में भगवान शंकर, तृतीय पहर की आरती में भगवती भवानी तथा चौथे पहर की आरती में भगवान कार्तिक स्वामी की महिमा का गुणगान किया गया। इस दौरान मंदिर में 41 निःसन्तान दम्पतियों ने रातभर हाथों में दीपक जलाकर संतान प्राप्ति की कामना की। रविवार को पुजारी ने कार्तिक मंदिर में विशेष पूजा अर्चना कर जलाभिषेक व आरती की। इस दौरान हवनकुंड में जौ-तिल व घी की आहुतियां भी डाली गई। अंत में सभी भक्तों ने पूर्णाहुति के साथ देव दीपावली का समापन किया गया। कार्तिकेय मंदिर समिति के अध्यक्ष शत्रुघ्न नेगी ने सभी भक्तों के साथ मंदिर समिति के सभी कार्यकर्ताओं आभार व्यक्त किया। कुमार कार्तिकेय का उत्तर भारत का एक मात्र मंदिर हैं। प्रतिवर्ष यहां जून माह में महायज्ञ का आयोजन के साथ कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली मनाने की परम्परा भी है। उन्होंने इस धार्मिक कार्यक्रम को पर्यटन से जोडने की मांग सरकार से की है। ताकि भविष्य इसे भव्य रूप से मनाया जा सके। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर भी सैकड़ों श्रद्धालुओं ने क्रौंच पर्वत तीर्थ पहुंच कर पुण्य अर्जित किया।

पुलिस क्षेत्राधिकारी ने किया थाना धौलछीना का अद्र्धवार्षिक निरीक्षण

अल्मोड़ा। क्षेत्राधिकारी अल्मोड़ा विमल प्रसाद द्वारा रविवार को थाना धौलछीना का अद्र्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में थाना परिसर, महिला हेल्प डेस्क, कर्मचारी बैरिक, भोजनालय, थाना, सीसीटीएनएस कार्यालय, मालखाना आदि का बारीकी से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरांत कर्मचारी सम्मेलन में पुलिस कर्मचारियों की समस्याएं सुनकर समाधान किया गया तथा किसी भी प्रकार की समस्या हेतु सीधे संपर्क करने हेतु अवगत कराया गया। आगामी लोकसभा निर्वाचन के दृष्टिगत कार्यालय में नियुक्त कर्मचारियों को सूचनाओं व अभिलेखों को अध्यावधिक रखने के निर्देश दिए गए व बीट कर्मचारियों को नियमित रुप से अपने बीट क्षेत्र में भ्रमण कर सक्रिय रहते हुए लड़ाई-झगड़ा, आपसी विवाद की सूचनाओं पर तत्काल निरोधात्मक कार्यवाही करने, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए बेहतर पुलिसिंग हेतु प्रेरित किया गया। सीओ अल्मोड़ा द्वारा जाड़े के मौसम के दृष्टिगत थाना क्षेत्र के ग्राम प्रहरियों को गरम टोपियां वितरित की गई।

इस दौरान विवेचकों का आदेश कक्ष भी आयोजित हुआ। सीओ अल्मोड़ा द्वारा सभी अधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुए लम्बित विवेचनाओं, शिकायती प्रार्थना पत्रों व न्यायालय के आदेशों का शीघ्र निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सभी को आगामी चुनावों के मध्यनजर अधिक से अधिक निरोधात्मक कार्यवाही करने, मादक पदार्थों की तस्करी बिक्री करने वालों की विरुद्ध कार्यवाही करने व प्रचलित अभियानों में व्यक्तिगत रूप से रुचि लेकर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष सुशील कुमार, समस्त अपर उपनिरीक्षक सहित अन्य कर्मचारीगण मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

एबीवीपी ने फूंका पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष का पुतला

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा परिसर के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष द्वारा दुष्कर्म मामले में एबीवीपी मुखर हो गयी है। रविवार को एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने दुष्कर्म के आरोप में फंसे पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष का पुतला फूंका। इस दौरान उन्होंने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। चौधानपाटा के पास एकत्रित हुए एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए पूर्व अध्यक्ष पंकज कार्की का पुतला फूंका। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कहा कि पूर्व अध्यक्ष के इस कृत्य से समाज और कॉलेज शर्मशार हुआ है। नारी के साथ हुए अपमान को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि इस विपरीत स्थिति में एबीवीपी संगठन पीड़ित छात्रा के साथ खड़ा है। उन्होंने पुलिस, प्रशासन से आरोपी पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। विदित हो कि पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष पर कॉलेज की ही एक छात्रा ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इस मौके पर एबीवीपी जिला संयोजक राहुल कुमार, नगर मंत्री नितिन पारछा, रोहित कुमल्टा, साहिल नेगी, तुषार जोशी, उदय पवार, लक्की, चंद्रशेखर आदि मौजूद रहे।

30 नवम्बर को प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में होगा बहुउद्देशीय शिविर आयोजित

अल्मोड़ा। मुख्य विकास अधिकारी आंकाक्षा कोण्डे ने बताया कि जिलाधिकारी विनीत तोमर के निर्देशों के अनुपालन में तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास हेतु आगामी 30 नवम्बर को आयोजित कार्यक्रम जो वर्चुअल माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में यह कार्यक्रम जनपद के प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में 30 नवम्बर को विकासखण्ड हवालबाग में प्रातः 11:00 बजे से एक बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि इस शिविर में समाज कल्याण, महिला कल्याण, स्वास्थ्य, राजस्व, ग्राम विकास, बाल विकास, विद्युत विभाग, पेयजल विभाग, शिक्षा विभाग, ग्रामीण निर्माण विभाग, उद्यान विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन, सहकारिता विभाग, आपूर्ति विभाग, उद्योग विभाग, पर्यटन, श्रम प्रर्वतन, पीएमजीएसवाई, लीड बैंक, सिंचाई व लघु सिंचाई, वन, स्वजल जिला युवा कल्याण विभागों सहित अन्य विभागों के अधिकारी अपने विभागीय योजनाओं की जानकारी के साथ स्वयं उपस्थित रहना सुनिश्चित करेंगे।

नवोदय विद्यालय ताड़ीखेत में जागरुकता शिविर आयोजित

अल्मोड़ा। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशन एवं जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अल्मोड़ा श्रीकांत पाण्डेय के मागदर्शन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अल्मोड़ा शचि शर्मा द्वारा रविवार को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में नवोदय विद्यालय ताड़ीखेत में जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अल्मोड़ा शचि शर्मा द्वारा शिविर में उपस्थित छात्र-छात्राओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था के अन्तर्गत संविधान की मूल संरचना के संरक्षक के रुप में न्यायपालिका की भूमिका एवं महत्व, संविधान में उल्लेखित नागरिकों के अधिकार व कर्तव्यों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला जिससे समतामूलक एवं न्याय आधारित समाज की स्थापना सुनिश्चित हो सके तथा नालसा (आपदा पीड़ितों के लिए कानूनी सेवा योजना) 2010 आदि विषयों से संबंधित जानकारी दी गई। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अल्मोड़ा द्वारा शिविर में भारत के संविधान की प्रस्तावना भी पढ़ी गई व संविधान दिवस के अवसर पर विद्यालय में स्लोगन, निबंध तथा वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। शिविर में नवोदय विद्यालय ताड़ीखेत, अल्मोड़ा के प्रधानाचार्य डी.एस.रावत, अध्यापक-अध्यापिकाएं, समस्त स्टाफ, पैरा लीगल वॉलेंटियर रेखा पंत व हेमा खाती तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।